MASA–06

June – Examination 2024

M.A. (Final) Examination

SANSKRIT

(नाटक तथा नाट्यशास्त्र)

Paper : MASA-06

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) स्वप्नवासवदत्तम् में कनिष्ठा नायिका कौन है ?

   (ii) उत्तररामचरितम् नाटक में कुल कितने अंक हैं ?

   (iii) उत्तररामचरितम् के तृतीय अंक का नाम लिखिए।

(iv) स्वप्नवासवदत्तम् नाटक का प्रमुख रस कौनसा है ?

(v) रत्नावली का दूसरा नाम क्या है ?

(vi) दशरूपक के अनुसार सात्विक भाव कितने हैं ?

(vii) दशरूपक में रस विवेचन किस प्रकाश में है ?

(viii) नाट्यशास्त्र के अनुसार करुण रस का स्थायी भाव क्या है ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

स्नेहं दयां च सौख्यं च यदि वा जानकीमपि।
आराधनाय लोकस्य मुञ्चतो नास्ति मे व्यथा॥

3. उत्तररामचरितम् के तृतीय अंक का महत्व बताइए।

4. स्वप्नवासवदत्तम् के अनुसार उदयन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. निम्नलिखित कारिका की संस्कृत में व्याख्या कीजिए—

दशरूपानुकारेण यस्य माद्यन्ति भावकाः।
नमः सर्वविदे वस्मै विष्णवे भरताय च॥

अथवा

महासत्वोऽतिगम्भीरः क्षमावानविकत्थनः।
स्थिरो निगूढ़ाहङ्कारो धीरोदात्तो दृढ़व्रतः॥

6. रत्नावली नाटिका की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

7. नाट्यशास्त्र के अनुसार स्थायी भावों का वर्णन कीजिए।

8. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के नाम की सार्थकता लिखिए।

9. दशरूपक के अनुसार नाट्यवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. स्वप्नवासवदत्तम् नाटक के अनुसार वासवदत्ता का चरित्र-चित्रण कीजिए।

11. उत्तररामचरितम् की रसयोजना पर सारगर्भित लेख लिखिए।

12. दशरूपक के अनुसार रस स्वरूप को समझाइए।

13. नाट्यशास्त्र के षष्ठ अध्याय के प्रतिपाद्य पर लेख लिखिए।